अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2023) दिनांक : 23.12.2023

समय सीमा : 3 घंटा तृतीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

पुण्य-पाप–50

प्र. 1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर लिखें– 16

पुण्य–किसी पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(क) कल्याणकारी कर्म–अपार्श्वस्थता किसे कहते हैं?

(ख) पुण्य की अनंत पर्याय कैसे है?

(ग) क्षण लव संवेग से आप क्या समझते हैं?

(घ) अनंत से क्या तात्पर्य है?

(ङ) मुनियों को वंदना करने से जीव क्या प्राप्त करता है?

(च) काम भोग का क्या अर्थ है? ये कैसे प्राप्त होते हैं?

पाप–किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(छ) सम्यक्-मिथ्यात्व और सम्यक्त्व मोहनीय को पाप प्रकृतियों में क्यों नहीं लिया गया?

(ज) अशुभ वर्ण नाम कर्म किसे कहते हैं?

(झ) नपुंसक वेद से आप क्या समझते हैं?

(ञ) मनःपर्यव ज्ञानावरणीय कर्म की संक्षिप्त व्याख्या करें।

प्र. 2 निम्न प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें– 10

(क) **पुण्य–**निदान रहित क्रिया का क्या फल विपाक है?

अथवा

योग किसे कहते हैं? सिद्ध करें कि पुण्य निरवद्य योग से होता है?

(ख) **पाप–**गौरव को व्याख्यायित करते हुए बताऐं कि वह अशुभ-नाम कर्म बंध का हेतु क्यों है? कर्मों की मूल प्रकृतियां व उत्तर प्रकृतियां पुण्य और पाप के सन्दर्भ में संक्षेप में लिखें।

अथवा

जीव ग्रहण काल के समय ही शुभाशुभ का विभाग कर कर्म ग्रहण करता है? इसे उदाहरण से समझाएं।

प्र. 3 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें– 24

(क) पुण्य–पुण्य बंध के सिद्धांत को सविस्तार बताएं। ***अथवा*** पुण्य के नौ बोल अपेक्षा सहित है या अपेक्षा रहित है?

(ख) पाप–पुण्य और पाप के विकल्प क्या-क्या हैं? ***अथवा*** मोहनीय कर्म बंध के हेतुओं का उल्लेख करें।

अवबोध (निर्जरा से देवगति तक)–30

प्र. 4 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में लिखें– 6

(क) क्या केवली समुद्घात में मोक्ष हो सकता है?

(ख) मोक्ष कहां है?

(ग) सूर्य चन्द्रमा असंख्य हैं, अढ़ाई द्वीप में भी अनेक हैं, फिर तीर्थंकरों के कल्याणक महोत्सव में कौन-कौन प्रतिनिधित्व करते हैं?

(घ) व्यंतर देवों का स्थान नीचे है, फिर ऊपर क्यों आते हैं?

(ङ) भवी होने की पहचान क्या है?

(च) निर्जरा और पुण्य की क्रिया एक है या दो?

(छ) एक साथ एक सौ आठ सिद्ध होने के बाद कितने समय तक 108 सिद्ध नहीं हो सकते?

(ज) ज्योतिष्क देव जहां रहते हैं वे पृथ्वियां है या देव विमान?

प्र. 5 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर दो तीन वाक्य में दें– 12

(क) नपुंसक लिंग में सम्यक्त्व प्राप्तव्ध प्राप्ति का निषेध टीकाकारों ने किया है। यहां नपुंसक लिंग सिद्ध कहा गया है, इसकी संगति कैसे बैठेगी।

(ख) क्या बंध की स्वतंत्र क्रिया है?

(ग) कार्मण शरीर और बंध एक है या दो?

(घ) महाविदेह क्षेत्र से एक साथ एक सौ आठ सिद्ध होना बतलाया है। चूंकि वहां के मनुष्यों की अवगाहना पांच सौ धनुष्य की है तो क्या सर्वोत्कृष्ट अवगाहना की बात भरत ऐरावत क्षेत्र के लिए है?

(ङ) कर्म के कर्म लगता है या आत्मा के कर्म लगता है?

(च) उपशम भाव निर्जरा में सहयोगी कैसे है?

(छ) योजन के चौबीसवें भाग में केवल सिद्ध ही रहते हैं या और भी कोई जीव रहते हैं?

(ज) निर्जरा से प्राप्त बत्तीस आत्मगुणों में कितने उजलालेखे निरवद्य हैं और कितने करणी लेखे हैं?

प्र. 6 किन्हीं तीन प्रश्नों के विस्तृत उत्तर लिखें– 12

(क) तीन लोक (उर्ध्व, अधो और मध्य) में कहां से मोक्ष प्राप्त किया जा सकता है?

(ख) देवताओं का आहार कौन सा होता है? क्या देव योनि में नींद और वेदनीय का भी विपाकोदय होता है?

(ग) क्षेयापशम के बत्तीस गुण निर्जरा जन्य हैं, क्या क्षायक व उपशम के गुण भी निर्जरा जन्य हैं?

(घ) क्या सिद्धों में प्राण और पर्याप्ति हैं? और क्या सिद्धों की कोई अवगाहना भी है?

(ङ) केवली समुद्घात का क्रम क्या है?

गीतिका (दस दान, अठारह पाप)–20

प्र. 7 किन्हीं चार प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 4

(क) तत्त्व की समझ किसे जल्दी आ जाती है?

(ख) धन देकर किसी बंदी को छुड़ाना–यह कौन सा दान है?

(ग) अधर्म दान किसे कहते हैं?

(घ) कौन सी क्रिया पूर्ण रूप से फलवान बनती है?

(ङ) लज्जा दान किसे कहते हैं?

(च) कौन सा जीव मोक्ष नगर का वरण कर लेता है?

(छ) भगवान ने अपने श्रीमुख से कौन सी बात कही है?

प्र. 8 कोई चार पद्य अर्थ सहित लिखें– 16

(क) धारो मन.....कही ए।

(ख) मुकलावो.....नाम ए।

(ग) कहे खांधा.....भाषीयो ए।

(घ) सेवाणे.....धर्म में ए।

(ङ) सचित्तादिक.....दान ए।

(च) असंजती.....आप ए।